हरिभूमि
सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 15 फरवरी 2026

04 सिर कुचला हुआ और दीवार पर खून के मिले...

07 स्थापित हो गया अशोक स्तंभ, अब करना होगा...

खबर संक्षेप

सागर में 75 फीट ऊंची भगवान सदाशिव की प्रतिमा स्थापित हुई

सागर। सागर के वेदांती स्थित रावतपुरा सरकार आश्रम में 75 फीट ऊंची भगवान सदाशिव की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। ध्यान मुद्रा में निर्मित इस प्रतिमा का लोकार्पण 5 जुलाई 2025 को श्री रावतपुरा सरकार की उपस्थिति में हुआ। लगभग दो वर्षों में तैयार की गई यह प्रतिमा आधुनिक तकनीक से निर्मित तथा भूकंप-रोधी है। इसके निर्माण में छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मूर्तिकारों का विशेष योगदान रहा। प्रतिमा स्थापना के उपलक्ष्य में सात दिवसीय भव्य महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें ज्ञानयज्ञ, धार्मिक कथा और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे। बुंदेलखंड क्षेत्र में यह प्रतिमा आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। यह भगवान शिव की तीसरी विशाल प्रतिमा है, जिसे श्री रावतपुरा सरकार द्वारा स्थापित किया गया है, और इसका उद्देश्य क्षेत्र में आध्यात्मिकता एवं पर्यटन को बढ़ावा देना है।

अवनी जैन ने एमबीबीएस द्वितीय वर्ष में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

सागर। जिले की होनहार छात्रा अवनी जैन ने एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे मध्यप्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले और परिवार का नाम रोशन किया है। अवनी जैन की इस सफलता पर परिवार ने इसे उनके परिश्रम, अनुशासन और गुरुओं के मार्गदर्शन का परिणाम बताया है। अवनी जैन की सफलता से क्षेत्र में गर्व का माहौल है। विद्यार्थियों के लिए यह उपलब्धि प्रेरणास्त्रोत बनी है। परिजनों ने बताया कि अवनी प्रारंभ से ही मेधावी रही हैं और उन्होंने नियमित अध्ययन एवं दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। अवनी की इस उपलब्धि पर अनिल एवं अनुशासिता जैन, नैनधरा सहित समस्त परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अवैध खनन व परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त

सागर। जिले में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार लगातार कार्रवाई की जा रही है। तहसील बंडा अंतर्गत उजनेठी ग्राम में खनिज विभाग द्वारा बोल्डर का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया।

महादेव भक्तों की आस्था का प्रतीक 800 साल पुराना शिव मंदिर, अनोखी है इससे जुड़ी कहानी

रानी का पटनेश्वर स्वप्न, बना इकलौता धाम जहां महाशिवरात्रि से पहले होता है शिव विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

रहली मार्ग पर ढाना के नजदीक पटना गांव में बने ऐतिहासिक शिव मंदिर को पटनेश्वर धाम कहा जाता है। यहां के इतिहास और भक्तों की कहानी इस मंदिर को अपने आप में अनूठा बनाती हैं। करीब 800 साल पुराने इस मंदिर का निर्माण सागर के तत्कालीन राजा की पत्नी लक्ष्मी बाई खेर ने कराया था। लक्ष्मीबाई खेर अक्सर रहली जाया करती थीं और जाते समय उनका पड़ाव पटना गांव में पढ़ता था, यहां पर उन्होंने शिव मंदिर का निर्माण कराया था। गांव का नाम पटना होने के कारण मंदिर पटनेश्वर धाम कहलाने लगा। यहां भगवान शिव स्वयंभू हैं। भगवान भोलेनाथ यहां पंचायतन रूप में विराजमान है।

तिलक के साथ विवाह समारोह प्रारंभ

जहां तक भगवान शिव की बात करें, तो उनका विवाह महाशिवरात्रि के दिन होता है। लेकिन बुंदेलखंड के ऐतिहासिक पटनेश्वर मंदिर में भगवान महादेव का विवाह समारोह बसंत पंचमी से शुरू हो जाता है और महाशिवरात्रि तक चलता है। खास बात ये है कि ये परंपरा करीब 100 साल पुरानी है और इसका उल्लेख गजेटियर में भी किया गया है। विवाह समारोह की परंपरा अनुसार, सबसे पहले तिलक का कार्यक्रम होता है। जिस तरह किसी भी विवाह समारोह में सबसे पहले दूल्हे का तिलकोत्सव होता है, तो उसी तरह पटनेश्वर में भगवान महादेव की तिलकोत्सव होता है।

पटनेश्वर मंदिर का इतिहास

मंदिर समिति के मुताबिक, सागर रहली मार्ग पर सागर से करीब 20 किमी दूर ढाना कस्बे के नजदीक प्राचीन और ऐतिहासिक पटनेश्वर मंदिर स्थित है। मंदिर का निर्माण सागर की मराठा रानी

लक्ष्मीबाई खेर द्वारा कराया गया था। उनके सपने में भगवान शिव आए थे, तब उन्होंने मंदिर का निर्माण करवाया। कहा जाता है कि रानी लक्ष्मीबाई खैर काफी धर्मपरायण थी और उन्होंने सागर के साथ-साथ रहली में कई मंदिरों का निर्माण कराया था. जिनमें हरसिद्ध मंदिर रानगिर, टिकीटोरिया मंदिर, पंढरीनाथ मंदिर और जगदीश मंदिर प्रमुख हैं। रानी लक्ष्मीबाई खैर मंदिरों के दर्शन के लिए अक्सर सागर से रहली जाया करती थीं, तो उनका काफिला ढाना के पास विश्राम के लिए रूकता था. वहीं रानी लक्ष्मीबाई खैर ने भगवान शिव का मंदिर स्थापित कराया था. आज इस मंदिर की पहचान पटनेश्वर मंदिर के नाम से है और यहां कई तरह के आयोजन आयोजित होते रहते हैं।

सात दिन तक चलेगा मेला

भगवान शिव की विवाह परम्परा तिलक के साथ शुरू होती है। साथ ही रूद्र यज्ञ का शुभारंभ हो जाता है। दूसरे दिन महादेव का महाअभिषेक, तीसरे दिन भगवान शिव का सहस्त्र अर्जन और चौथे दिन महाआरती होती है। इसके बाद महाशिवरात्रि को भगवान महादेव का विवाह संपन्न होता है। बसंत पंचमी से लेकर महाशिवरात्रि के दिन तक बुंदेलखंड में होने वाले विवाहों की परम्पराए पटनेश्वर मंदिर में निभाई जाती हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला भरता है, जहां हजारों की संख्या में शिवभक्त इकट्ठा होते हैं।

बाजीराव पेशवा से जुड़ा इतिहास

दरअसल, महाराजा छत्रसाल और बाजीराव पेशवा के युद्ध के बाद बुंदेलखंड के इतिहास में मराठाओं का उदय हुआ था। महाराजा छत्रसाल वृद्धावस्था में पहुंच गए थे। तब मुगल शासक मोहम्मद बंगश ने उन पर हमला कर दिया था। जैतपुर में युद्ध के दौरान छत्रसाल हार रहे थे। इस दौरान उन्होंने कई हिंदू राजाओं से मदद मांगी थी लेकिन मुगलों से टकराने कोई तैयार नहीं था। तब बाजीराव पेशवा ने छत्रसाल की मदद की और छत्रसाल ने युद्ध जीतने पर बुंदेलखंड में बाजीराव पेशवा के लिए उपहार स्वरूप कई गढ़ भेंट किए थे। बाजीराव पेशवा ने अपने विश्वस्त गोविंद राव खेर के लिए ये इलाका सौंपा था और फिर गोविंद राव खैर की वंशज रानी लक्ष्मी बाई ने ये मंदिर बनवाया।

सोमवार को लगता है भक्तों का तांता

भगवान शिव का अभिषेक और श्रावण सोमवार के अवसर पर हजारों की संख्या में भक्तों का तांता लगता है। सावन में यहां भगवान शिव का दर्शन पूजन और अभिषेक किया भजन कीर्तन होता है। अभी वर्तमान में गुरु पूर्णिमा के पर्व से श्रावण मास माह राम नाम संकीर्तन होगा। प्रत्येक सोमवार को अनुष्ठान होते हैं। सावन मास में पटनेश्वर धाम का दर्शन और पूजन करना विशेष फलदाई है। दिव्य अलौकिक सौंदर्य लिए भगवान यहां विराजमान है। सुबह मंगल आरती से रात्रि की आरती तक नित्य रोज पूजन अर्चन यहां पर होता है।

गढ़ाकोटा पुलिस की दबंगई! बस में आग लगाने की दी धमकी, चक्काजाम में पहुचे दीपू भार्गव

गढ़ाकोटा। सागर जिले के गढ़ाकोटा में एक बार फिर पुलिस की कार्रवाई विवादों में आ गई जिसकी वजह से स्थानीय लोगों ने चक्का जाम कर दिया करीब 1 घंटे तक चले इस जाम में सागर गढ़ाकोटा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें भी लग गई। करीब 1 घंटे बाद पहुंचे अभिषेक (दीपू) भार्गव ने आश्वासन दिया कि जिस पुलिसकर्मी के द्वारा अभद्रता की गई है जानकारी के अनुसार उन्हें लाइन अटैच कर दिया गया है। इस आश्वासन के बाद ही यह जाम हटाया गया। पीड़ित विवेक जैन के अनुसार गढ़ाकोटा के पथरिया रोड चौराहे पर स्कूल बस खड़ी हुई थी जिसमें स्कूली बच्चे थे । जिसको लेकर पहले गढ़ाकोटा थाने के पुलिसकर्मी लक्ष्मी मिश्रा के द्वारा नियम का उल्लंघन करने पर 2000 का चालान काटा गया। इसके साथ बस नहीं हटने पर आग लगाने की धमकी दी गई और फिर बच्चों के अभिभावकों से भी अभद्रता की कि इसी के बाद जैसे ही इसकी खबर फैली तो पुलिस के खिलाफ चौराहे पर आकर अभिभावकों सहित जैन समाज के लोगों ने चक्का जाम कर दिया था। जो करीब 1 घंटे तक चलता रहा जब यह बात पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव तक पहुंची तो उन्होंने सागर पुलिस अधीक्षक से इसको लेकर बातचीत की और फिर अपनी प्रतिनिधि के तौर पर अभिषेक (दीपू) भार्गव को घटना स्थल पर पहुंचने के लिए जहां लोगों को जानकारी दी की अभद्रता करने वाले एएसआई को लाइन अटैच करवा दिया गया है वहीं अभिषेक भार्गव ने कहा कि नगर में यातायात को लेकर सभी के साथ बैठक कर वाधिंत यातायात को सुचारू रूप से चलने के लिए कार्य किया जायेगा।

विधायक गोपाल भार्गव ने उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का भूमिपूजन किया

गढ़ाकोटा। लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग द्वारा चनौआ गांव में 65 लाख रुपए से अत्याधुनिक सुविधाओं सहित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के निर्माण कार्य एवं निवारी गांव 65 लाख रुपए से बनने वाले उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का भूमिपूजन मुख्य अतिथि पं. गोपाल भार्गव ने किया गया। इस अवसर पर विधायक भार्गव ने कहा कि इन उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। क्षेत्र के नागरिकों ने इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु हर्ष व्यक्त किया सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

मुखबिर की खबर पर पुलिस ने रोका वाहन, फिर तीन आरोपी पहुंचे अंदर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सागर जिले के गढाकोटा थाना पुलिस को इस बात की सूचना मिली की एक पिकअप वाहन में मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भरा गया है। जिसे सागर तरफ ले जाया जा रहा है। पुलिस ने बिना देर किये बैरिकेट लगाकर सम्बंधित वाहन को रोका। जिसमें तलाशी लेने पर एक दर्जन मवेशी बंधे हुए मिले। जिसके बाद गढ़ाकोटा थाना पुलिस ने कार्यवाई करते हुए तीन युवकों को पकड़ा साथ ही वाहन को जप्त करते हुए मवेशियों को बरामद किया। तीनों आरोपी गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ही रहने वाले हैं।

बताया जा रहा है की पुलिस को गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी की पिकअप में मवेशी लाये जा रहे हैं। वाहन रहली तरफ से जाते हुए गढ़ाकोटा से सागर तरफ जा रहा है। जिसके बाद थाना प्रभारी को सूचना दी गयी। साथ ही टीम बनाई गयी। जहां रहस मेला ग्राउण्ड के सामने गढ़ाकोटा में बैरिकेट लगाकर बताये गए वाहन को रोका गया। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम अल्ताफ खान, निवासी बसारी गढ़ाकोटा वहीं उसके बाजू से बैठे दो युवकों ने अपना नाम अनीष खान निवासी साबूलाल वार्ड गढ़ाकोटा वहीं दूसरे ने आजाद खान निवासी तिलक वार्ड गढ़ाकोटा बताया। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली जिसमें 12 मवेशी बंधे हुए थे। जिन्हे तिरपाल के सहारे ढंका गया था। बताया जा रहा है की पिकअप वाहन में जबरन इन मवेशियों को बांधकर रखा गया था। जिनके हाथ पैर बंधे हुए थे।

वाहन चालक अल्ताफ खान से इस संबंध में परिवहन और खरीदी-बिक्री के सबध में वैध दस्तावेज मांगे गए। जो उनके पास नहीं थे। जिसके बाद पुलिस ने मवेशियों को बसारी स्थित दयोदय गौशाला पहुंचाया। साथ ही पिकअप को जप्त करते हुए तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले में गढ़ाकोटा थाना प्रभारी शिवम दुबे ने जानकारी दी।

शिवसेना ने वेलेंटाइन डे के विरोध में रैली निकाली, अश्लीलता का पुतला दहन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

शिवसेना संगठन के वेलेंटाइन डे के विरोध में जोरदार प्रदर्शन के चलते शहर के पार्कों व रेस्टोरेंटो में सन्नाटा छाया रहा सुबह से ही शिवसेना की टोलिया राजघाट, वाटर पार्क, अटल पार्क, विश्वविद्यालय आदि सहित मनचले आशिकों के स्थलों पर निगरानी के लिए घूमती रही। जहां छूट पुट प्रेमी युगलो के मिलने पर समझाइश लेकर छोड़ दिया गया।

शिवसेना संगठन की वाहन रैली मकरोनिया से प्रारम्भ हुई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुई सिविल स्थित शहीद कालीचरण चौराह पहुंची जहां पैदल मार्च के साथ वेलेंटाइन डे रूपी अश्लीलता का पुतला दहन किया। रैली में वेलेंटाइन डे के खिलाफ गगन भेदी उद्घोष के साथ चल रहे थे। तदोपरांत शहीद कालीचरण की प्रतिमा पर पुलवामा के 44 अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। शिवसेना उप राज्य प्रमुख पप्पू तिवारी ने कहा कि शिवसेना संगठन ने 2 दिन पहले दंडपूजन कर वेलेंटाइन डे का शक्ति से विरोध करने की चेतावनी दी थी। जिसके चलते अश्लील हरकते करने वाले युगल रेस्टोरेंट पार्कों से नदारत रहे कुछ पार्क व रेस्टोरेंटो में माफी मांगने पर प्रेमी युगल को छोड़ा गया।

जिला दीपक सिंह ने रैली के दौरान रेस्टोरेंट कैफे संचालकों को सख्त हिदायत दी की किसी भी ऐसे मनचलों को प्रवेश मत देना को अश्लीलता करते पाए जाते है तो आपके रेस्टोरेंट फैंके को क्षति हो सकती है। शिवसेना जिला प्रभारी विकास सिंह ने पार्कों प्रेमी स्थलों पर पुलिस के पुख्ता इंतजाम पर आभार मानते हुए कहा कि शिवसेना संगठन प्रेम का नहीं बल्कि वेलेंटाइन डे की आड़ मे अश्लीलता फैलने वालो खिलाफ है।

महाशिवरात्रि पर कानून-व्यवस्था के लिए मजिस्ट्रेट तैनात

सागर। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर 15 फरवरी को जिले शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। जारी आदेश के अनुसार नगर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। जिसमें कार्यपालिक मजिस्ट्रेट संदीप तिवारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया एवं कटरा कोतवाली क्षेत्र में हरीश लालवानी को, मोतीनगर क्षेत्र में विवेकानंद त्रिपाठी को, गोपालगंज एवं सिविल लाइन क्षेत्र में देवेंद्र चक्रवर्ती को, कैंट क्षेत्र में राजकुमार रघुवंशी को तथा मकरोनिया क्षेत्र में श्री प्रतीक राजक को दायित्व सौंपा गया है। उक्त सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए नगर दंडाधिकारी सागर से समन्वय स्थापित कर शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।वहीं पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा भी महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश जारी किए गए हैं। शिवरात्रि के दिन निकलने वाली शिव बारात और अन्य धार्मिक आयोजनों को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

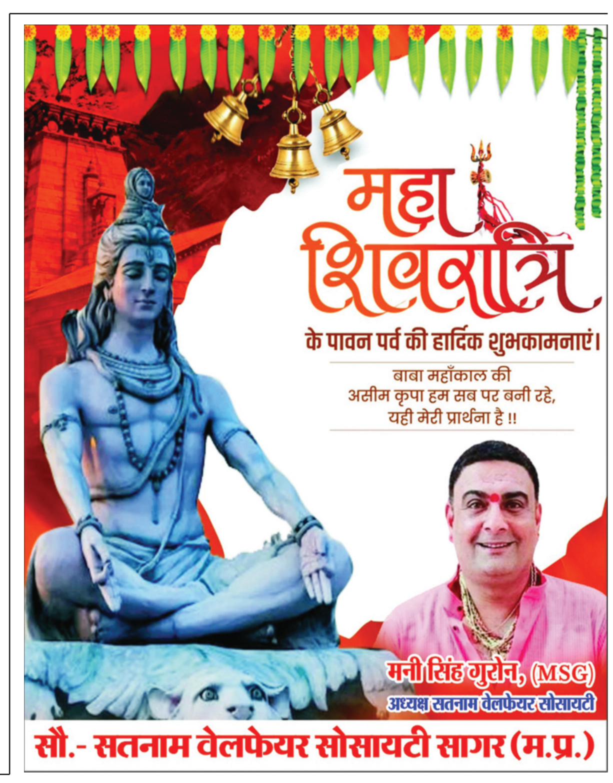

उद्यान की विभाग में कन्वर्जेंस के अंतर्गत 70 से अधिक महिला किसानों ने दिखाई रुचि

नेट हाउस खेती में महिला समूह ने दी जिले में बढ़ी जागरुकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

नेट हाउस तकनीकी सब्जी उत्पादन की एक उन्नत और सुरक्षित तकनीकी है इसके माध्यम से कम जगह में कम संसाधनों के साथ उम्दा और उत्तम उत्पादन प्राप्त होता है सब्जी की खेती करने वाले किसानों के लिए नेट हाउस के माध्यम से सब्जी की बौद्ध तैयार करना और उसी में सब्जी लगाना एक बहुत बेहतर विकल्प है नेट हाउस तकनीकी को अपने पर कीट नाशक दवाइयां का प्रयोग घट जाता है इसके साथ ही साथ बहुत कम पानी में किसान पूरे वर्ष में 100000 से अधिक की सब्जी पैदा कर सकता है। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में पूर्व में 200 से अधिक महिला के किसानों के साथ 20 मी गना 20 मी के आकार का नेट हाउस महिला किसानों के साथ बनाए जाने की शुरुआत की थी जिसमें खुरई माल्थोन सागर रहली देवी जैसीनगर राहतगढ़ आदि विकास करो में महिला किसानों ने इस तकनीकी से जुड़कर अच्छा उत्पादन लिया उद्यानिकी विभाग के माध्यम से भी सब्जी के किसानों को नेट हाउस की तकनीकी से जोड़े जाने के लिए कन्वर्जेंस के माध्यम से पहल की गई।

कलेक्टर संदीप जी आर के मार्गदर्शन और उनकी रुचि पर जिले में नेट हाउस के अधिक लक्ष्य राज्य शासन से स्वीकृत कराए गए ताकि अधिक से अधिक किसानों को इस तकनीकी का लाभ मिल सके और किसान विश्व रहित किट नाशक रहित सब्जी का उत्पादन करके गुणवत्तापूर्ण सब्जी लोगों तक पहुंच सके नेट हाउस से जुड़ी जेसी नगर की श्रीमती भाग भाई पटेल ने हाल ही में एक लाख से अधिक पौधे टमाटर खीर तरबूज खरबूज और गोभी के तैयार किए हैं इन पौधों को भी महिला किसानों को बेचकर थोड़े समय में अपने नेट हाउस का आमदनी के लिए इस्तेमाल कर रही है बाद में भी इस नेट हाउस में टमाटर की खेती करके लाभ कमाएंगी पी एस बडोले सहायक संचालक उद्यान की के अनुसार इस तकनीकी में बहुत कम जमीन पर किसान बहुत अच्छा उत्पादन ले सकता है कमजोरी के किसानों के लिए यह तकनीकी वरदान होती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर म.प्र.

क्र./नामा./रा.वि./न.नि./2025- 26 /66 **सूचना** सागर दिनांक 10/02/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सीमा के अंतर्गत नीचे दिये गये भवनों/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन-पत्र प्राप्त हुये हैं। अतः इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से 30 दिवस के अंदर आयुक्त नगर पालिक निगम, सागर के नाम प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रकरण क्रमांक	वार्ड का नाम म.न./प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयतदाता/दानदाता/वंशानुक्रम द्वारा	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1741 25/26	राजीवनगर	रजि बैनामा, शपथ पत्र	गुड्डी बाई पिता बाबूलाल पटेल	ममता पति मनोज सैनी
1742 25/26	चकराघाट	मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र	स्व. शंकर लाल चौरसिया	कैलाश एवं राजकुमार दोनों पिता स्व. शंकर लाल चौरसिया
1743 25/26	लाजपतपुरा	रजि बैनामा, शपथ पत्र	सीताराम, फूलचंद, भगवानदास, भवानी शंकर एवं नरेंद्र कुमार सभी पिता राम प्रसाद पटेल	संगीता पति दीपक राजपूत
1744 25/26	मोतीनगर	रजि बैनामा, शपथ पत्र	सुरेंद्र कुमार पिता मोतीलाल जैन	मंगलेश कुमार पिता गोपाल प्रसाद गुप्ता
1745 25/26	कृष्णागंज	रजि बैनामा, शपथ पत्र	रामकुवरबाई पति माखनलाल एवं एकनाथ, सोमनाथ, वर्षा एवं रितु सभी पिता स्व. माखनलाल यादव	विमल पति शैलेंद्र लरिया
1746 25/26	तिली	रजि बैनामा, शपथ पत्र	चंद्रलेखा श्रीवास्तव पति एम. आई. राही	कंचन पिता नंदलाल जौहरी
1747 25/26	तिली	रजि बैनामा, शपथ पत्र	राम मनोहर पिता वृंदावन लाल दुबे	नंदलाल पिता रामलाल जौहरी
1748 25/26	बाघराज	रजि बैनामा, शपथ पत्र	विकास पिता देवेंद्र भार्गव	नर्मदा प्रसाद स्व. पारस सेन
1749 25/26	रविदास	रजि बैनामा, शपथ पत्र	अन्जुलता पिता प्रदीप पटेल	विनीता पति बलराम साहू
1750 25/26	विट्ठलनगर	रजि बैनामा, शपथ पत्र	द्वारका प्रसाद साहू, सुरेंद्र कुमार पिता ज्ञानचंद जैन एवं प्रियांशी पति विकास जैन	आसिफ पिता यूनिस कसाई

आयुक्त , नगर पालिक निगम, सागर

संदेह के आधार पर पत्नी व बेटे को कोतवाली पुलिस ने लिया हिरासत में

सिर कुचला हुआ और दीवार पर खून के मिले निशान, व्यक्ति की हत्या

शहर के पुरानी टेहरी मोहल्ले में मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

शहर के पुरानी टेहरी मोहल्ले में सुबह के वक्त तब सनसनी फ़ैल गईं जब एक घर में व्यक्ति का संदिग्ध हालत में शव मिला। मृतक का सिर कुचला हुआ था और दीवार पर खून के निशान फैले हुए थे। उक्त घटना की सूचना ज़ब कोतवाली पुलिस को दी गईं। तब कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक, अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दरम्यान उन्होंने बरिष्ठ अधिकारियो को भी सूचित किया। उक्त सूचना मिलते ही एसडीओपी राहुल कटरे भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। कोतवाली पुलिस ने उक्त घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पूछताछ के लिए मृतक की पत्नी व बेटे को भी हिरासत में लिया है। शहर के पुरानी टेहरी मोहल्ले में शनिवार की सुबह 45 साल के रामकिशोर रजक का शव उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। प्रारंभिक जांच में यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। क्योंकि मकान की दीवारों पर खून के निशान मिले है। रामकिशोर अपने घर में पत्नी सीमा और एक बेटे के साथ रहते थे। उनका दूसरा बेटा दिल्ली में रहता है। पुलिस को घटनास्थल पर मकान की दीवारों पर खून के निशान और फर्श के टूटे हुए टुकड़े मिले हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया। पुलिस ने पूछताछ के लिए मृतक की पत्नी सीमा और बेटे को हिरासत में लिया है। घटनास्थल को सील कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटनास्थल पर मकान की दीवारों पर खून के निशान मिले हैं। कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक ने बताया कि डॉग स्क्वॉड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट से घटनास्थल की जांच कराई जा रही है। पत्नी और बेटे से पूछताछ की जा रही है। शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पीडब्लूडी विभाग करेगा जर्जर स्कूल भवन की मरम्मत

18वीं सदी में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने भवन का होगा जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

डेढ़ सौ वर्ष पूर्व महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाये गये गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल के जर्जर हो चुके भवन को कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा हेरिटेज के रूप में उपयोग करने का उद्देश्य तय कर लिया गया है। जिसके चलते जर्जर भवन का जीर्णोद्धार करने के लिए वजट स्वीकृत कराकर पीडब्लूडी विभाग को जिम्मेदारी सौंप दी गईं है। उक्त भवन ऐसी ऐतिहासिक ईमारत है जिससे जिले के कई परिवारों की शैक्षणिक यादें जुड़ी हुई है।

शहर के नजरबाग परिसर में स्थित उक्त भवन का निर्माण तत्कालीन राजा वीर सिंह जू देव ने वर्ष 1877 में कराया था। राज परिवार द्वारा कराये गये उक्त भवन निर्माण का उद्देश्य महिला शिक्षा को बढ़ावा देना था। जो अब जीर्णशीर्ण अवस्था में है। लेकिन 147 वर्ष पुरानी उक्त ऐतिहासिक इमारत का अब जीर्णोद्धार किया जाएगा। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने इसके लिए 99 लाख रुपए का फंड जारी किया है। पीडब्ल्यूडी विभाग को इस प्राचीन इमारत की मरम्मत का जिम्मा सौंपा गया है। लंबे समय तक शहर का गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल इसी बिल्डिंग में संचालित होता रहा। लेकिन देखरेख के अभाव में उक्त इमारत धीरे-धीरे जर्जर होती चली गई। लगभग चार साल पहले गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल को यहां से स्थानांतरित कर दिया गया था। खाली होने के बाद से यह ऐतिहासिक इमारत खंडहर में बदलती जा रही थी। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने इसके संरक्षण के लिए पहल की है। मरम्मत के बाद इसे जल्द ही अपने पुराने स्वरूप में लौटाया जाएगा। कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि बिल्डिंग को हेरिटेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य उन लोगों को अपनी यादें ताजा करने का अवसर देना है, जिन्होंने यहां पढ़ाई की है। कलेक्टर श्रोत्रिय के अनुसार, यह एक अमूल्य ऐतिहासिक धरोहर है, जिससे शहर के कई परिवारों की शिक्षण यादें जुड़ी हुई हैं।

तीर्थ स्थली कुंडेश्वर में महाशिवरात्रि की तैयारी पूर्ण

शाम को निकलेगी बारात, होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

महाशिवरात्रि पर्व पर कुंडेश्वर धाम में सभी तैयारी पूर्ण कर ली गईं है। रविवार शाम को भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जाएगी। शनिवार शाम को मड़वा और पंगत का कार्यक्रम किया गया। संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिले की प्रमुख तीर्थ स्थली कुण्डेश्वर धाम मंदिर परिसर में शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर एकाग्र महादेव महोत्सव का आयोजन 15 फरवरी को सायं साढ़े बजे से किया जाएगा।

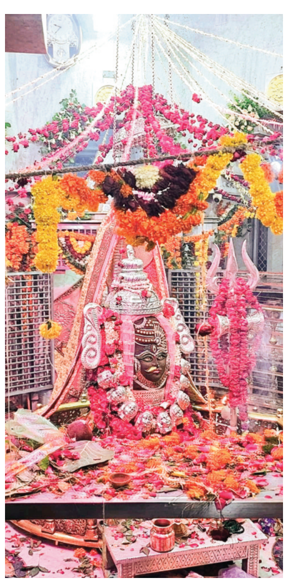

उक्त समारोह में सती लीला, लोक गायन एवं भक्ति गायन की प्रस्तुतियां संयोजित की जाएंगी। यह आयोजन शिवभक्ति, लोक परम्परा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के सुरम्य संगम के रूप में श्रद्धा और भक्ति की एक अनुपम संध्या रचेगा। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी चंद्रेश पटेरिया ने देते हुए बताया कि 15 फ़रवरी को बुंदेली शिव भजन संध्या कार्यक्रम विक्रम सिंह राजपूत और मीना राजपूत द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। जबकि जबाबी कीर्तन कार्यक्रम जानकी रमन व लालचंद्र दीक्षित द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा साक्षी पटेरिया द्वारा लोक बुंदेली गायन, लखन लाल अहिरवार द्वारा सती लीला एवं सुहासनी जोशी द्वारा भक्ति गायन कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्सव कमेटी में शामिल कुलदीप दीक्षित, अखिलेश दीक्षित, संजय दीक्षित, मुन्नालाल मिश्रा, रामनारायण नायक सहित कमेटी के सभी साथीगणो द्वारा तैयारियां की जा रही है। मंदिर को आकर्षक लाइट एवं फूलों से सजाया गया है। भक्तगणो व श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गईं है।

शासन के निर्देशों का उल्लंघन न करने की सख्त चेतावनी के साथ की कार्रवाई

'खुले में मांस बेचकर पुलिस कार्रवाई का न बने भोगी'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

खुले में मांस मछली का विक्रय करके शासन के नियमों का उलंघन करने का दोषी एवं पुलिस कार्यवाही का भोगी बनने से बचने का प्रयास करें। उक्त चेतावनी भरा संदेश पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना द्वारा प्रदेशभर में खुले में मांस विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। जिनके अनुपालन में जिला पुलिस द्वारा सघन एवं सतत अभियान संचालित किया जा रहा है।

उक्त अभियान का संचालन पुलिस महानिरीक्षक, सागर जोन डॉ हिमानी खन्ना एवं उप पुलिस महानिरीक्षक, छतरपुर रेंज विजय खत्री के मार्गदर्शन में एबं पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मंडलोई के द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में खुले में मांस विक्रय संबंधी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा स्थानीय प्रशासन के समन्वय से कठोर एवं वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

इसी क्रम में दिनांक 13 फरवरी को मजना चौकी क्षेत्र में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक वीणा विश्वकर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम एवं स्थानीय ग्रामीण प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से कस्बा भ्रमण कर खुले में संचालित अंडा, मांस एवं मछली बाजार को तत्काल प्रभाव से हटवाया गया। और संबंधित विक्रेताओं को भविष्य में शासन के निर्देशों का उल्लंघन न करने हेतु सख्त चेतावनी दी गई तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा। खुले में मांस विक्रय अथवा अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

एसपी के निर्देशों का पालन करते हुए डायल 112 ने बचाई दो जिंदगियां

पुलिस की त्वरित क्रिया से बची जीवन की प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा संपूर्ण जिला पुलिस को जारी किये गये निर्देशों के तहत मानव सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपातकालीन परिस्थितियो में संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ त्वरित और अनिवार्य मदद का उदाहरण प्रस्तुत कर बुडेरा पुलिस ने मोटरसाईकिल दुर्घटना में घायल हुए पति पत्नी को समय पर सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया, जिससे दम्पति की जांच बच गईं। एसपी मंडलोई के निर्देशों का पालन करते हुए बुडेरा पुलिस की उक्त त्वरित क्रिया की बजह से दो लोगो के जीवन की प्रक्रिया थमने से बच गईं।

एसपी मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि आमजन की सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा आपातकालीन परिस्थितियों में मानवीय दृष्टिकोण के साथ त्वरित और अनिवार्य मदद सुनिश्चित की जाए। थाना बुड़ेरा क्षेत्र अंतर्गत नयागांव रोड पर दो मोटर साइकिलों की आमने सामने टक्कर में एक दम्पति के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पुलिस को मिली। उक्त घटना की सूचना तत्काल डायल 112 वाहन को प्राप्त होते ही बिना विलंब एफआरवी वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया। डायल 112 में तैनात पुलिस आरक्षक अजय धुर्वे एवं पायलट अयोध्या प्रसाद बंशकार ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का आकलन किया। जहाँ दुर्घटना में पति पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल अवस्था में थे। जिन्हे तत्काल चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता थी। पुलिस जवानों ने संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए घायल दम्पति को एफआरवी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बल्देवगढ़ पहुंचाकर भर्ती कराया। डायल 112 की इस त्वरित एवं मानवीय कार्यवाही के परिणामस्वरूप घायल दम्पति को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने बताया कि जिला पुलिस आपातकालीन परिस्थितियों में सदैव आमजन के साथ संवेदनशीलता, सेवा भावना और तत्परता के साथ खड़ी है।

एसपी मंडलोई से हुई हार्टफुलनेस प्रतिनिधिमंडल की भेंट

बल की कार्य क्षमता की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने ध्यान जरूरी : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

जिले के पुलिस बल के तनाव मुक्ति अभियान को नई दिशा देते हुए तनाव मुक्ति एवं कार्यकुशलता संवर्धन के उद्देश्य से हार्टफुलनेस इंस्टिट्यूट एवं मध्य प्रदेश पुलिस के मध्य संपन्न एमओयू के अंतर्गत जिले में हार्टफुलनेस ध्यान सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इन्ही सत्रों की प्रगति एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के संबंध में दिनांक 13 फरवरी को पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के साथ हार्टफुल्नेस संस्थान के रीजनल फैसिलिटेटर गजेंद्र गौतम ने शिष्टाचार भेंट एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मध्य प्रदेश राज्य के रीजनल फैसिलिटेटर गजेंद्र गौतम ने पुलिस अधीक्षक मंडलोई को जिले के विभिन्न थानों में नियमित रूप से संचालित हार्टफुलनेस ध्यान सत्रों की वर्तमान स्थिति, सहभागिता तथा भावी कार्ययोजना से अवगत कराया।

पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने तनावमुक्त एवं सकारात्मक कार्य वातावरण के निर्माण हेतु ऐसे सत्रों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इनके सुव्यवस्थित संचालन, सतत मॉनिटरिंग एवं अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि ध्यान एवं आंतरिक संतुलन पुलिस बल की कार्यक्षमता, निर्णय क्षमता एवं जनसेवा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र टीकमगढ़ के समन्वयक नितिन कुमार बबेले ने जानकारी दी कि जिले के प्रत्येक थाना स्तर पर नियमित ध्यान सत्र आयोजित किए जा रहे हैं तथा आगामी समय में इन्हें और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाएगा।

बैठक में पुलिस विभाग की ओर से प्रशिक्षक कृष्णकांत दुबे तथा हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र की ओर से प्रशिक्षक भाई कमलेश राय, नीरज बबेले एवं विशाल कड़ा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। यह पहल पुलिस बल में मानसिक संतुलन, सकारात्मक ऊर्जा एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है। पुलिस अधीक्षक मंडलोई के मार्गदर्शन में जिले में इस कार्यक्रम के और अधिक प्रभावी क्रियान्वयन की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

वंडर कॉन्वेंट स्कूल में मनाया मातृ-पितृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

शहर के वंडर कॉन्वेंट स्कूल में आज 14 फरवरी को मातृ पितृ दिवस के रूप में उत्सव मनाया गया। एक ओर जहां युवा पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित होकर 14 फरबरी के दिन को वेलेंटाइन डे के रूप में मनाते हैं, वहीं वंडर कॉन्वेंट स्कूल प्रबंधन ने इस विशेष आयोजन के जरिए बच्चों को सनातनी परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया है इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों के अभिभावक भावविभोर नजर आए और इसे बहुत ही अच्छी पहल बताया। साथ साथ अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन से आग्रह करते हुए कहा कि आगे भी स्कूल प्रबंधन से ऐसे कार्यक्रम भव्य स्तर पर आयोजित कराया जाना चाहिए। इस मौके पर अभिभावकों द्वारा वंडर कॉन्वेंट स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अभिभावक मनीष सोनी एबं संध्या सोनी ने बताया कि हमारा बेटा देव सोनी इस स्कूल में कक्षा 6 में पढ़ता है। इस बंडर कान्वेंट स्कूल प्रवंधन द्वारा 14 फ़रवरी को विशेष आयोजन कर जो मातृ पितृ दिवस मनाया गया है, इससे हमारे बच्चे में संस्कारो का पोषण होगा। इसलिये इस स्कूल द्वारा आयोजित किया विशेष आयोजन बहुत बेहतर रहा।

सड़क सुरक्षा के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए जिले में चला सघन वाहन जांच अभियान

सड़क सुरक्षा के 37 मामलों में पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ टीकमगढ़

सुरक्षित यातायात संचालन के उद्देश्य के चलते शहर के मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की सख्त कार्यवाही एबं बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसरों की जांच की प्रक्रिया देखने को मिली है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के स्पष्ट एवं कड़े निर्देशों के अनुपालन में जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन करने के लिये विशेष सघन वाहन जांच अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात अनुशासन को सुदृढ़ करना, दुर्घटनाओं की संभावनाओं को न्यूनतम करना तथा नागरिकों में जिम्मेदार वाहन संचालन की भावना विकसित करना है।

पुलिस अधीक्षक मंडलोई द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों, राजपत्रित अधिकारियों एवं यातायात शाखा को निर्देशित किया गया है कि औचक एवं प्रभावी चेकिंग के माध्यम से नशे की अवस्था में वाहन संचालन, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग, बिना वैध दस्तावेज तथा अन्य नियम उल्लंघनों पर कठोर वैधानिक कार्रवाई प्राथमिकता से की जाए। दिनांक 13 फरवरी को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों एवं यातायात थाना द्वारा प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर विशेष चेकिंग पॉइंट स्थापित कर व्यापक वाहन जांच की गई। उक्त अभियान के दौरान कुल 248 वाहनों की जांच की गई, जिनमें 37 वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन पाया गया। नियम उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कुल 10 हजार 600 रूपये का अर्थदंड बसूल किया गया। इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यातायात नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। अभियान के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही निर्बाध बनी रहे। पुलिस अधीक्षक मंडलोई के सख्त निर्देशों के तहत यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर औचक चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें युवाओं द्वारा मोटरसाइकिलों, विशेषकर बुलेट में लगाए गए संशोधित मॉडिफाइड साइलेंसरों की जांच की गई।

चेकिंग के दौरान मानक ध्वनि सीमा से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले साइलेंसर पाए जाने पर संबंधित चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई तथा भविष्य में ऐसे संशोधित साइलेंसर का उपयोग न करने हेतु कड़ी हिदायत दी गई। जिला पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बुलेट एवं अन्य मोटरसाइकिलों में अवैध अथवा मानक से अधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले साइलेंसरों की जांच निरंतर औचक रूप से जारी रहेगी। साथ ही सार्वजनिक शांति भंग करने अथवा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित, संयमित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन करें।

चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा भी अनावरण का इंतजार कर रही है

स्थापित हो गया अशोक स्तंभ, अब करना होगा लोकार्पण का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

पुराना जय स्तंभ के स्थान पर अब नवनिर्मित अशोक स्तंभ स्थापित कर दिया गया है। काम लगभग पूरा हो चुका है। अशोक स्तंभ को कपड़े से पैक कर दिया है ताकि सही समय देखकर कोई समारोह आयोजित किया जाकर किसी अतिथि से उसका अनावरण कराया जा सके। अब यह अनावरण कब होगा फिलहाल इसके कयास लगाए जा रहे हैं क्योंकि पुल दरवाजा के सामने किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा भी चार माह से अनावरण का इंतजार कर रही है। नगरपालिका उसका अनावरण चार माह में भी नहीं करा सकी तो शहर के हृदय स्थल पर स्थापित किए नवनिर्मित अशोक स्तंभ का अनावरण कब कराएगी पता नहीं।

शहर का हृदय स्थल माने जाने वाले जय स्तंभ चौक पर 60 सालों से आन बान शान के साथ स्थापित जय स्तंभ जो देश के वीर जवानों की वीरगाथा को प्रदर्शित कर रहा था को बदलकर अब उसके स्थान पर आधुनिक और शहर सौंदर्य करण को ध्यान में रखते हुए अशोक स्तंभ जो राष्ट्रीय चिन्ह और राष्ट्र गौरव का प्रतीक है को स्थापित कर दिया है। काम लगभग पूरा हो चुका है अब इस स्तंभ का अनावरण किए जाने की कार्रवाई चर्चा में चल रही है। सूत्रों की माने तो नगर पालिका परिषद स्तंभ का अनावरण जल्द करने के मूड में नहीं है नपा अध्यक्ष रेनू राठौर हाईकोर्ट में चल रहे अपने प्रकरण का पहले पटाक्षेप कराना चाहती है ताकि वह समारोह पूर्वक होने वाले इस कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष की हैसियत से अध्यक्षता कर सके। स्तंभ का अनावरण विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से कराए जाने की योजना भी बन चुकी है। लेकिन नपा अध्यक्ष के हाईकोर्ट में चल रहे प्रकरण का पटाक्षेप जब तक नहीं होगा तब तक फिलहाल नवनिर्मित अशोक स्तंभ के अनावरण को रोका जाएगा यही कारण है कि स्तंभ स्थापित करने के बाद उसे कपड़े से ढक दिया गया है और चबूतरे की सजावट का काम रोक दिया गया है।

कांग्रेस ने जताया विरोध

उधर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मांगीलाल फौजी ने जयस्तंभ के स्थान पर अशोक स्तंभ स्थापित किए जाने का विरोध करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जय स्तंभ भारतीय सैनिकों की वीर गाथा का प्रतीक था अशोक स्तंभ देश का चिन्ह और मान सम्मान का प्रतीक है अगर इसे स्थापित करना था तो शहर में और कोई स्थान भी देखा जा सकता था जय स्तंभ को हटाकर उक्त स्थान पर अशोक स्तंभ स्थापित करना ठीक नहीं है। हालांकि कांग्रेस और उनके जनप्रतिनिधियों की ओर से ऐसा कोई काम नहीं किया गया है जिससे लगे कि वो अशोक स्तंभ का विरोध कर रहे हैं लेकिन उनके द्वारा इसका समर्थन नहीं करना भी विरोध ही माना जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा को है अनावरण का इंतजार

शहर के बड़ौदा रोड स्थित पुल दरवाजा के पास नगर पालिका के शॉपिंग मॉल के सामने किसान नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा नगर पालिका ने स्थापित तो कर दी है लेकिन इसका अनावरण का इंतजार लोगों को अभी भी है। चार माह पहले स्थापित हुई इस प्रतिमा के अनावरण पर विवाद तब हो गया जब नगर पालिका की मंशा के विपरीत जाट समुदाय ने प्रतिमा का अनावरण चौधरी चरण सिंह के वंशजों द्वारा करने पर की मांग की। ज्ञात हो कि भारत सरकार में चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी मंत्री हैं जिनके कर कमलों से इस प्रतिमा का जाट समुदाय अनावरण करना चाहता है। अब नगर पालिका उनको बुलाकर प्रतिमा का अनावरण क्यों नहीं करा रही यह समझ से बाहर है।

इनका कहना है...

पूर्व प्रधानमंत्री स्व चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी भी शामिल किया जाए इस संबंध में मैने मंत्री जयंत चौधरी से मौखिक सहमति भी ले ली थी। पर नगर पालिका परिषद ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है यह चिंता का विषय है।

गिर्राज चौधरी
वरिष्ठ भाजपा नेता

अभी अशोक स्तंभ का काम निर्माणाधीन है काम पूरा हो जाने के बाद स्तंभ के अनावरण का कार्यक्रम कलेक्टर के निर्देशानुसार आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में कौन अतिथि रहेगा यह कलेक्टर तय करेंगे।

आरआर यादव
सीएमओ श्योपुर

बड़ौदा और मानपुर समेत कई स्थानों पर मेले आयोजित होंगे

महाशिवरात्रि आज, सज गए शिव मंदिर उमड़ेगी भक्तों की भीड़, कई कार्यक्रम होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी रविवार को शहर समेत जिले भर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। शिव और शक्ति के महामिलन के इस पर्व को लेकर शहर सहित जिलेभर के शिव मंदिर सज गए है। जहां रविवार को महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं बडौदा, नागदा और मानपुर सहित अन्य कई स्थानों पर धार्मिक मेलों का आयोजन भी किया जाएगा। विशेष बात यह है कि मानपुर कस्बे में 10 साल के लंबे अंतराल के बाद महाशिवरात्रि का मेला थाने के पास मौजूद विश्वनाथ महादेव मंदिर पर इस साल आयोजित किया जा रहा है।

वैसे तो महाशिवरात्रि बेहद खास है, लेकिन इस बार महाशिवरात्रि पर बहुत वर्षों बाद कई शुभ योग एक साथ बन रहे हैं। इस दिन कुंभ राशि में बुधादित्य, शुक्रादित्य, लक्ष्मी नारायण और चतुर्ग्रही योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि, प्रीति, ध्रुव व व्यतिपात योग भी रहेंगे। यह दिन ग्रह-नक्षत्रों की चाल के लिहाज से भी खास रहेगा। महा शिवरात्रि में सभी पूजन विशेष फल प्रदान करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ पृथ्वी पर मौजूद सभी शिवलिंग में विराजमान होते हैं, इसलिए महाशिवरात्रि के दिन की गई शिव की उपासना से कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है।

इन शिवमंदिरों पर रहेगी विशेष चहल-पहल

शिव की नगरी श्योपुर में महाशिवरात्रि का पर्व पूरी आस्था के साथ मनाया जाएगा। शहर के शिव मंदिरों पर सुबह से ही दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाएगी। शिवरात्रि के अवसर पर जिन शिव मंदिरों पर विशेष चहल-पहल रहेगी उनमें शहर के श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर, श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, गिर्राज घाट के गिर्राजेश्वर महादेव, तिल मिश्री महादेव मंदिर, किला स्थित सोनेश्वर महादेव मंदिर, खंरजा रोड स्थित विमलेश्वर महादेव मंदिर, पालीरोड स्थित पीपलेश्वर महादेव मंदिर, बड़ौदा के चंद्रसागर शिवालय, नागदा के नागेश्वर मंदिर, भूतेश्वर मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव, सोंईकलां के गुप्तेश्वर महादेव, मानपुर के विश्वनाथ महादेव मंदिर, मानेश्वर महादेव मंदिर, रामेश्वर मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा चार पहर की पूजा व रुद्राभिषेक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे नुकती खरीदी बिल को देख अचंभित हो रहे लोग

सूंसवाडा ग्राम पंचायत में गणतंत्र दिवस पर बंटी नुकती का बिल चर्चा में

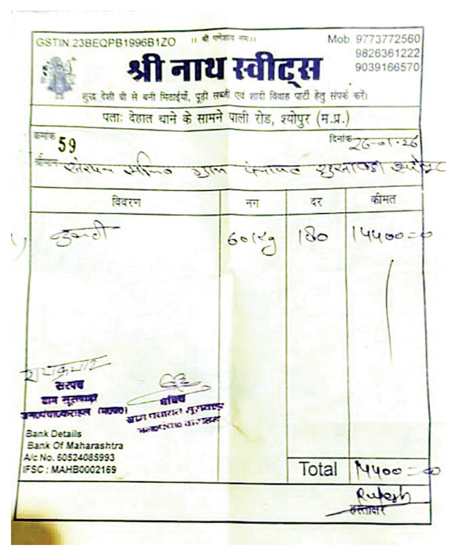
GSTIN 23BEQPB1996B1ZO
Mob. 9773772560, 9826361222, 9039166570
श्री नाथ स्वीट्स
शुद्ध देसी घी से बनी मिठाईयाँ, पूड़ी सब्जी एवं शादी विवाह पार्टी हेतु संपर्क करें।
पताः देहात थाने के सामने पाली रोड, श्योपुर (म.प्र.)
क्रमांक 59

विवरण	नग	दर	कीमत
नुकती	60 Kg	180	14400
		Total	14400

Bank Details
Bank Of Maharashtra
A/c No. 60524085993
IFSC : MAHB0002169

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर।

जनपद पंचायत कराहल की ग्राम पंचायत सूसवाडा में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बाटी गई नुकती (बूंदी) की खरीदी का बिल इन दिनों खासा चर्चा में बना हुआ है। श्योपुर जिला मुख्यालय स्थित एक दुकान से यह नुकती खरीदने का बिल सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसे देखकर लोग अचंभित हो रहे है कि 60 किलो नुकती का बिल 14 हजार 400 रूपए कैसे हो गया। जिले के लोग कई तरह के सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर खूब कमेंट कर रहे है और इस तरह के खरीदी बिलों में कई तरह की गडबडी होने का अंदेशा जाहिर करते हुए इनकी जांच की सख्त जरूरत बता रहे है।

यहां बता दें कि 26 जनवरी को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम देशभर में सभी जगह आयोजित किए जाने के साथही जिले की ग्राम पंचायतो में आयोजित किए जाते है। इसी क्रम में जनपद पंचायत कराहल की ग्राम पंचायत सूसवाडा के द्वारा गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम का आयोजन अपने पंचायत क्षेत्र में किया गया। जिसमें आए लोगो को नुकती के प्रसाद का वितरण किया गया। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत सूंसवाडा में आयोजित कार्यक्रम में नुकती वितरित करने के लिए उसकी खरीदी श्योपुर स्थित श्रीनाथ स्वीट्स दुकान से की गई।

60 किलो नुकती का बिल कैसे हो गया 14 हजार 400 का

श्योपुर स्थित श्री नाथ स्वीट्स दुकान से खरीदी गई नुकती का जो बिल ग्राम पंचायत सूंसवाडा को दिया गया है, वह बिल सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वायरल बिल में साफ लिखा गया है कि 60 किलो नुकती 180 रुपए प्रति किलो के हिसाब से दी गई है। जिसकी राशि 14 हजार 400 रुपए ग्राम पंचायत सूंसवाडा के द्वारा दुकानदार को अदा कर दी गई है। मगर दुकानदार को अदा की गई राशि को देखकर जिले के लोग अचंभा जता रहे है कि 60 किलो नुकती का बिल 14400 रूपए कैसे हो गया। गणित के जानकार बता रहे है कि 180 रुपए प्रति किलो के हिसाब से 60 किलो नुकती का बिल तो 10 हजार 800 रुपए होता है। तो फिर दुकानदार ने किस हिसाब से 60 किलो नुकती का बिल 14 हजार 400 रुपए जोड़ दिया। कई लोग इस तरह के कमेंट भी कर रहे है कि 60 किलो नुकती का वितरण भी मुश्किल ही हुआ होगा। वहीं कुछ लोग यह लिखने से नहीं चूक रहे है कि नुकती खरीदी में गाडी का डीजल खर्चा भी जोड़ दिया होगा।

इनका कहना है...

नुकती 60 किलो नहीं बल्कि 80 किलो खरीदी गई। जिसकी राशि 14400 रुपए अदा की गई है। दुकानदार ने बिल में 80 किलो की जगह 60 किलो नुकती जल्दबाजी में लिख दी है। दूसरा बिल बनवा रहे हैं।

सुरेश जोशी
सचिव, ग्राम पंचायत सूसवाडा

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष को कराया अवगत

रेलवे द्वारा बनाए जा रहे अंडरपास को लेकर ग्रामीण नाराज, रुकवाया काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

ग्वालियर से श्योपुर तक बिछ रही ब्रॉड गेज रेलवे लाइन से गांव में आने जाने के लिए बनाए जा रहे अंडरपास को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी लगातार बनी हुई है। कई ग्रामीणों द्वारा इसका विरोध किया जा चुका है अब फूलदा लाडपुरा गोठरा के ग्रामीणों ने इसका विरोध जताते हुए अंडरपास निर्माण कार्य को रुकवा दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जाट ने निर्माण एजेंसी के इंजीनियरों से चर्चा करने के साथ-साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को भी अवगत करा दिया है।

शनिवार को फूलदा–गोठरा–लाडपुरा के पास बन रहे अंडरपास पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए निर्माण को रुकवा दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के पहुंचने से ठेकेदार ने काम बंद कर अधिकारियों को अवगत करा दिया। उधर ग्रामीणों ने इसकी सूचना भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जाट को देकर उन्हें मौके पर बुला लिया। सुरेंद्र जाट ने रेलवे के इंजीनियरों को परामर्श दिया कि गांव में अंडरपास बनाने से पानी भरने की समस्या आ जाएगी क्योंकि जिस क्षेत्र में अंडरपास बनाया जा रहा है वहां जल भराव की स्थिति निर्मित रहती है इससे लोगों को आवाजाही में तो परेशानी होगी साथ ही फसलों के भी खराब होने का अंदेशा निर्मित होगा। इसलिए यहां पर अंडरपास के बजाय ओवर ब्रिज बनाया जाए हालांकि अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय रेलवे विभाग (भारत सरकार) को लेना है आप इस संबंध में वहीं से आदेश कराएंगे तो अंडरपास के बजाय ओवर पास ब्रिज बनाया जा सकता है। इस संबंध में सुरेंद्र जाट ने मौके पर ही से ही फोन लगाकर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को अवगत कराते हुए ग्रामीणों की समस्या उन्हें बता दी। विधानसभा अध्यक्ष ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि उन्हें गांव में आने जाने में परेशानी न हो इसका ध्यान रेलवे विभाग रखेगा। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि ब्रॉड गेज का काम क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात है इसमें व्यवधान ना डालें इसे तीव्र गति से जारी रहने दिया जाए ताकि छोटी रेल से बड़ी रेल का हमने जो सपना देखा था वह पूरा हो सके। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जो छोटी-मोटी समस्याएं होंगी उन्हें हम सब मिलकर दूर करेंगे।

दलित व पिछड़ा वर्ग से जुड़े संगठनों ने किया समर्थन

यूजीसी कानून के समर्थन में किया उपवास, लगाए नारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए आए 2026 के यूजीसी नियमों का पिछड़ा वर्ग और दलित संगठनों ने शनिवार को समर्थन करते हुए जिला मुख्यालय स्थित गांधी पार्क पर एक दिवसीय उपवास किया और समर्थन में नारे लगाए।

गांधी पार्क पर आयोजित उपवास में शामिल हुए दलित एवं पिछड़ा वर्ग नेताओं ने कहा कि यूजीसी सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हैं, जो विशेष रूप से दलित-ओबीसी और वंचित छात्रों को कैंपस में समानता और सुरक्षा प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य 'संस्थागत हत्याओं' को रोकना है। दलित-बहुजन पिछड़ा वर्ग युवाओं ने इन नियमों के समर्थन में नारे लगाए और इस कानून को 'संस्थागत हत्याओं' के खिलाफ एक आवश्यक सुरक्षा उपाय बताया है। साथ ही सरकार से इन नियमों को सही ढंग से लागू करने की मांग करते हुए कहा है कि जो संगठन इस कानून का विरोध कर रहे हैं सरकार उनके दवाब में न आए वरना दलित पिछड़ा वर्ग युवाओं को सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा। कुछ वक्ता सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन नियमों पर रोक लगाने का भी विरोध करते देखे गए।

ढोढर के श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर पर होगी रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

ढोढर कस्बे के प्रसिद्ध श्री खेडापति हनुमान मंदिर पर रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरूआत 17 फरवरी को कलश यात्रा के साथ होगा। ढोढर के धर्मप्रेमी लोगों की सामूहिक पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई है।

बताया गया है कि 17 फरवरी से शुरू होने वाला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 21 फरवरी तक चलेगा। यह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पं रविशंकर बवेले जी पाराशर वृंदावन धाम वाले के आचार्यत्व में आयोजित होगा। महोत्सव की शुरूआत 17 फरवरी को सुबह 9 बजे कलश यात्रा के साथ होगी। कलश यात्रा श्री गिर्राज जी महाराज मंदिर से शुरू होगी। जो गाजेबाजे के साथ कस्बे के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री खेडापति हनुमान मंदिर पर पहुंचेगी। जहां प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आरंभ होगा और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 18 व 19 फरवरी को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने के बाद 20 फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होगी। जबकि 21 फरवरी को पूर्णाहुति और भंडारा आयोजित किया जाएगा।

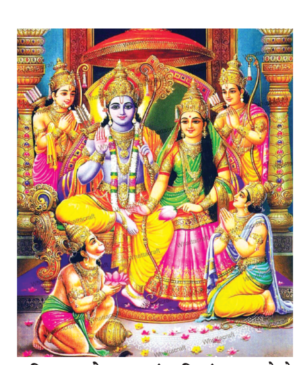

30 मार्च से 30 जून तक चलना है अभियान

गंगा संवर्धन अभियान: सही दिशा में चलाकर बचाया जा सकता है दम तोड़ती 28 नदियों का जीवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

हर साल की तरह इस साल भी गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च में 30 जून तक चलाया जाएगा जिसमें जल संरचनाओं को कैसे बचाया जा सकता है इस पर चिंतन मनन करने के साथ पूर्व की तरह धरातल पर काम भी किया जाएगा। लेकिन यह काम अभी तक प्यास लगने पर कुआं खोदने वाली कहावत ही चरितार्थ हो सका है। इस बार ऐसा न हो इसके लिए प्लानिंग अभी से बनानी पड़ेगी। ताकि अभियान का दीर्घकालिक असर दिखाई दे। अभियान के तहत अगर जिले की उन 28 नदियों को बचाने के लिए प्लानिंग की जाए तो इसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

मध्यप्रदेश का श्योपुर जिला ग्वालियर चंबल संभाग का सबसे अधिक नदियों वाला जिला है। जिले में छोटी बड़ी कुल 28 नदियां बह रही हैं। जो जिले की कृषि, वन संपदा को बढ़ाने के साथ-साथ वनवासियों, वन्यजीवों, मवेशियों का जीवन बचाने का काम कर रही हैं। अपना अमृत समान नीर (जल) बांटने वाली इन जीवनदायिनी नदियों को बचाने और इनके पुनरुद्धार के लिए गंगा संवर्धन जैसी योजना की दरकार है। जिले में मौजूद ये 28 नदियां कभी बारहों महीने बहती थी लेकिन पिछले दो दशक से धीरे धीरे यह नदियां दम तोड़ती जा रही हैं, जिसके चलते अब दर्जन भर नदियां तो सिर्फ नक्शों में ही रह गई है। जिले में पिछले सालों में लगातार औसत से ज्यादा बारिश हुई है। फिर भी 10 नदियां सूखकर नाला बनकर रह गई हैं। नदियों के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में खेती के लिए कब्जे और अवैध निर्माण ने रास्ता रोक दिया है। मानवीय भौतिक संसाधनों की पूर्ति के चलते वन, वन्यजीव और जलाशयों जैसे प्रकृति से उपहार में मिली धरोहरों को नुकसान पहुंचाने का काम ती मानव प्रवृत्ति बन ही गया है। नदियों के किनारे जगह जगह खेती कर अप्राकृतिक संसाधनों से लगातार किए जाने चाले दोहन के चलते कुछ नदियां सिर्फ बरसाती नाले बनकर रह गई हैं। कई जगह ती अत्यधिक दोहन से मन नहीं भरा तो नदियों में ही अतिक्रमण कर बहाव विपरीत दिशा में मोड़कर प्राकृतिक आपदा को बुलावा भेजने का काम भी खूब किया जा रहा है। इन नदियों को बचाने के लिए मनरेगा सहित दूसरी योजनाओं के माध्यम से खूब पैसा पानी की तरह बढ़ाया लेकिन जिस जगह पैसा बहाया गया वहां भी पानी रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जलाशयों के पुनरुद्धार और उन्हें पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 30 मार्च से 30 जून तक चलाए जाने वाले गंगा संवर्धन जैसे अभियान की अतिआवश्यकता इन नदियों को बचाने के लिए पड़ गई है।

नदियों के अस्तित्व पर मंडरा रहा संकट

जिले में अहेली, कदवाल, सरारी, अमराल, पारम, दौनी, भादडी, ककरेटी, दुआर, अहेली सहित कई बरसाती नदियां अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। यही हाल बारहमासी नदियों का भी हो रहा है। इनमें पानी साल भर भरा तो रहता है लेकिन इन नदियों की प्यास कई गंदे नाले बुझाकर नदियों को नालों में परिवर्तित कर रहे हैं। इन नदियों श्योपुर जिला मुख्यालय से गुजरी सीप और विजयपुर मुख्यालय से होकर निकली क्वारी नदी शामिल है जो कई जगह दम तोड़ चुकी है। जिन्हें जगह जगह स्टॉप डेम बनाकर बचाया जा सकता है।

स्टॉप डैम बनाकर बचाया जा सकता है जल संरचनाओं को

श्योपुर जिले में जो 28 नदियां बह रही हैं वह अधिकतर सीजनेवल है बारिश के कुछ माह बाद ही यह नदियां सूखकर अस्तित्व खो देती हैं। इन्हें हमेशा के लिए पानी बचाए रखने का एकमात्र जरिया स्टॉप डैम बनाना है। अगर जगह-जगह निर्धारित दूरी पर स्टॉप डेम बना दिए जाए तो न सिर्फ यह जल सोचनाएं बच सकेंगी, बल्कि जल की कमी को भी हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है।

अटूट विश्वास है तो भगवान हर स्थिति में अपने भक्तों की रक्षा करते हैं:शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

ग्राम आसीदा में चल रही संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा में शनिवार को कथा व्यास पं नटवरलाल शास्त्री ने श्रीकृष्ण-रुक्मणी के विवाह की कथा का वर्णन किया। कथा सुनकर कथा स्थल पर मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा कृष्ण-रुक्मणी विवाह से जुड़ी मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई। जिसे देख पूरा पांडाल भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे से गुंजायमान हो उठा। भजनों पर सभी श्रोता झूमने लगे। कथा व्यास पं नटवरलाल शास्त्री ने कहा कि भगवान पर अटूट विश्वास होना चाहिए, यदि अटूट विश्वास है तो भगवान हर स्थिति में अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण के विवाह का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणी के साथ संपन्न हुआ। लेकिन रुक्मणि को श्रीकृष्ण द्वारा हरण कर विवाह किया गया। इस कथा में समझाया गया कि रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी हैं और वह नारायण से दूर रह ही नहीं सकती हैं। रुक्मणि ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो बहुत प्रभावित हुईं और मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणि का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। इसीलिए श्रीकृष्ण ने हरण कर रुक्मणि से विवाह किया।

खबर संक्षेप

अवैध शराब के 2 मामले किए दर्ज

अशोकनगर। जिले में अवैध शराब के 2 मामले दर्ज किए गए हैं। जिनमें जिले के ईसागढ थाने की पुलिस ने ग्राम डेंगा निवासी जितेन्द्र आदिवासी के पास से 10 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है। जिले के चन्देरी थाने की पुलिस ने फतेहाबाद निवासी रामदास अहिरवार के पास से 04 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है।

नाबालिग बालिका को 36 घंटे में किया दस्तयाब

अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोकनगर गजेन्द्र सिंह कंवर एवं एसडीओपी चंदेरी महेश शर्मा के मार्ग दर्शन में थाना कदवाया द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये नाबालिक बालिका को 36 घण्टे में सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि 11 फरवरी को फरियादी द्वारा उसकी लडकी उम्र 17 साल को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले जाने संबंधी रिपोर्ट लेख कराई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर से अपराध क्र0 17/2026 धारा 137 (2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये थाना प्रभारी कदवाया निरीक्षक मनीष सिंह जादौन को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। थाना प्रभारी कदवाया निरीक्षक मनीष सिंह जादौन द्वारा तुंरत टीम गठित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, टीम द्वारा 13 फरवरी शुक्रवार को अपहता को ग्राम रावणी थाना फतेहगढ जिला गुना से दस्तयाब किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कदवाया निरीक्षक मनीष सिंह जादौन, उनि मसीह खान, सउनि. अभिजीत सिंह (सायबर सेल), सउनि. रुमाल सिंह भील, प्रआर रामसिंह, प्रआर. अरविंद रघुवंशी, आर. धर्मेन्द्र दांगी, आर0 रवि राणा, आर. कमल किशोर, आर. सुनील जाटव, आर. प्रशान्त भदौरिया (सायबर सेल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किसान जागृति यात्रा 20 को पहुंचेगी अशोकनगर

अशोकनगर। किसानों की ज्वलंत समस्याओं और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली जा रही "किसान जागृति यात्रा" 20 फरवरी, शुक्रवार को अशोकनगर पहुंचेगी। यह यात्रा सुबह 11 बजे त्रिदेव मंदिर से शुरू होकर सेन चैराहा ओवर ब्रिज से बस नया बस स्टैंड होते हुए राजमाता चैराहा तक निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों के शामिल होने की संभावना है। संयुक्त किसान मोर्चा के जसदेव सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में खेती-किसानी लगातार संकटों से घिरी हुई है। समय पर खाद और बिजली उपलब्ध नहीं हो रही है, वहीं फसलों के उचित दाम भी नहीं मिल पा रहे हैं। एमएसपी पर खरीद की ठोस व्यवस्था न होने से किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदाएं और फसल बीमा योजनाओं की जटिलताएं किसानों की परेशानी बढ़ा रही हैं। यदि समय रहते किसानों ने अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद नहीं की तो आने वाली पीढ़ियों के सामने रोज़गार और जमीन बचाने का संकट खड़ा हो जाएगा। इसी उद्देश्य से कन्याकुमारी से कश्मीर तक जागरूकता यात्रा निकाली जा रही है, ताकि पूरे देश के किसानों को एकजुट किया जा सके और एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी की मांग को मजबूत बनाया जा सके। संयुक्त किसान मोर्चा, अशोकनगर द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल के साथ यात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाएं और अपने अधिकारों की लड़ाई में एकजुटता का परिचय दें। यात्रा के दौरान 'जय जवान, जय किसान' के नारों के साथ किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासन और सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई जाएगी। आयोजकों ने अधिक से अधिक किसानों से भागीदारी की अपील की है।

इतिहास का हिस्सा बने 1925 के स्कूल को भुलाने का प्रयास

100 वर्ष पूरे, एक सदी के इतिहास को समेटने के नहीं हुए कोई प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

100 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी एक सदी के इतिहास को समेटने वाले अशोकनगर के मिडिल स्कूल क्रमांक 01 के एक शताब्दी वर्ष पर कोई आयोजन नहीं हुए, अगर इस मौके पर पूर्व छात्र सम्मेलनों का आयोजन किया जाता तो भी अच्छा होता। शहर के लोग तत्कालीन कलेक्टर, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया से अपेक्षाएं करते रहे लेकिन मांग होकर रह गई, हुआ कुछ नहीं और तो और एक नया आदेश सामने आया कि इस स्कूल को सांदीपनि स्कूल में मर्ज किया जाए। जिस पर लोगों को हैरानी भी हुई थी कि जिन संस्थाओं से शहर का इतिहास जुड़ा है कम से कम उन्हें तो एक यादगार के रूप में बनाकर रखा जाए।

2025 में इस स्कूल ने 100 वर्ष का सफर पूरा कर लिया है अब यह 101वां वर्ष चल रहा है, किसी भी संस्था के लिए 100 वर्ष का सफर पूरा करना उसके एक एक वर्ष के इतिहास की गाथांओं से भरा होता है। इस स्कूल ने कितने लोगों का भविष्य संवारा, कितने छात्र पढ़कर शिक्षा के इस मंदिर में शिक्षित हुए, कितने ही शिक्षक शिक्षा की ज्योत जलाने में इस स्कूल में बच्चों को शिक्षा और संस्कारों से बच्चों को संस्कारित करते रहे। धन्य हैं वह लोग जिन्होंने इस स्कूल की शुरूआत में अपना योगदान दिया, स्कूल के लिए भूमि उपलब्ध कराई, कम से कम स्कूल प्रबंधन के साथ शिक्षा विभाग को ऐसे परिवारों का एक कार्यक्रम कर सम्मानित किया जाना चाहिए था, लेकिन कोई आगे नहीं आया। पूरा शहर राजनीति करने वाले जनप्रतिनिधियों की तरफ देखता रहा कि कम से कम वह इस स्कूल के 100 वर्ष के इतिहास को जिंदा रखने वाली इस इमारत और गौरवशाली सफर को एक नया मुकाम सदी की 100 वर्ष की यात्रा पर जरूर देगें लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब डर यह है कि कहीं इस स्कूल को सांदीपनि स्कूल में मर्ज न कर दिया जाए। इसे बचाने की जिम्मेदारी भी शहर के लोगों पर है।

इस मिडिल स्कूल के सफर की शुरूआत वर्ष 1925 में तब हुई जब अंग्रेजी हुकुमत थी और यह क्षेत्र ग्वालियर रियासत के अंतर्गत आता था। उस समय यहां शिक्षा के कोई केन्द्र नहीं थे। उस समय इस मिडिल स्कूल की स्थापना की गई थी। तब इस स्कूल का नाम एबीएम स्कूल रखा गया था जो आज भी इस विद्यालय के ऊपर लिखा हुआ है जिसे आदर्श विकास मंदिर भी कहा जाता था। इस स्कूल के पहले प्राचार्य होने का गौरव ठाकुर सुधर सिंह चैहान को जाता है। वह यहां के अभिभाषक यशर्वधन सिंह चैहान के दादा थे। इस विद्यालय का भवन आज भी इस 100 वर्ष की गौरव गाथा को कहते हुए देखा जा सकता है। उस समय यह स्कूल चिन्खाडी और चूना से बना था जिसकी इमारत आज भी शहर के मध्य में है। यहा इस भवन में आज भी स्कूल चल रहा है। इस स्कूल के पास अपना एक परिसर है शहर के मध्य किसी स्कूल के पास इतना अच्छा परिसर नहीं है। इस शासकीय विद्यालय की खूबी यह है कि जब देश में प्राइवेट स्कूलों का जमाना नहीं था। तब शासकीय स्कूलों में ही बच्चे पढ़कर इतिहास रचते थे। इस स्कूल में कई नामचीन हस्तियों ने अध्ययन किया और देश में पहचान बनाई।

स्कूल संचालन के लिए बनाई गई थी कमेटी

उस दौरान जिला ईसागढ़ हुआ करता था तब इस स्कूल को लेकर भूमि का क्रय किया गया। ग्वालियर रियासत के रजिस्टार द्वारा हेड मास्टर एवीएम स्कूल पछार के लिए यह स्कूल देने की स्वीकृति प्रदान की गई। और तत्कालीन रूप से एक कमेटी बनाई गयी। जिसमें माधौप्रसाद और रतिराम चैधरी को वाइस प्रसीडेंट बनाया गया। इस समिति में सेठ चुन्नीलाल, सेठ मूलचंद,डा गोकुल प्रसाद, पंडित वेगशाम नायब तहसीलदार, सेठ धन्नूलाल, सबदलसिंह जमींदार, सेठ मन्नूलाल, सेठ धर्मदास, सेठ पन्नालाल, सेठ सूरजमल, और सेक्रेटरी एवं प्राचार्य सुधर सिंह को बनाया गया था। आज भी इस स्कूल की इमारत पर अशोकनगर के पूर्व नाम पछार का उल्लेख है, कम से कम 100 वर्ष के सफर में कोई आयोजन नहीं हुआ तो कम से कम 101वे सफर में जरूर इसका आयोजन किया जाना चाहिए ताकि 101 का शुभ अंक इसका साक्षी बन सके।

सुधर सिंह चौहान के प्रयासों से विद्यालय की शुरूआत हुई थी

इस विद्यालय में पहले प्राचार्य रहे ठाकुर सुधर सिंह चौहान के बारे में पोते यशवर्धन सिंह चौहान कहते हैं कि 100 वर्ष पहले उनके दादा उत्तर प्रदेश के जिला मैनपुरी ने एक छोटे से गांव घिटौली निवासी रणजीत सिंह के पुत्र सुधर सिंह द्वारा अपनी प्राथमिक शिक्षा गांव के ही छोटे स्कूल से प्रारंभ की किंतु माध्यमिक शिक्षा के लिए उन्हें जिला मुख्यालय पर जाना पड़ा।

कई हस्तियां इस स्कूल के विद्यार्थी रहे

जिन हस्तियों के नाम इस स्कूल में छात्र रहने के रूप में आते हैं उनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे शिवचरण माथुर है। जो पास के मढ़ी कानूनगों गांव के निवासी थे। इसी प्रकार छायावादी कवि गिरजाकुमार माथुर जिन्होंने साहित्य की धारा को देश में आगे तक बढ़ाया उन्होंने भी इसी स्कूल में अध्ययन किया था। ऐसा ही एक नाम श्री कृष्ण सरल का भी आता है उन्होंने भी इस विद्यालय में छात्र के रूप में अध्ययन किया और देश भर के क्रांतिकारियों पर अपनी रचनाएं लिखीं। उनका लेखन आज भी इतिहास की धरोहर है।

कार्रवाई करने में बेबस ग्राम पंचायत

रिकॉर्ड के अभाव में अतिक्रमण की भेंट चढ़ रही करोड़ों की सरकारी जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

बहादुरपुर के ग्राम पंचायत बहादुरपुर में प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। यहां ग्राम पंचायत भवन के स्वामित्व से संबंधित स्पष्ट रिकॉर्ड न होने के कारण बेशकीमती सरकारी जमीन पर अवैध कब्जों का जाल बिछता जा रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि जिस भूमि का बाजार मूल्य करोड़ों में है, उसे बचाने के लिए पंचायत के पास कोर्ट में पेश करने के लिए पुख्ता दस्तावेज तक नहीं हैं।

सर्वे नंबर 162 में दर्ज है भवन, पर सीमाएं लापता शासकीय रिकॉर्ड के अनुसार, बहादुरपुर का पंचायत भवन सर्वे नंबर 162 की आबादी भूमि पर स्थित है। राजस्व अभिलेखों के बारहखाने में भी पंचायत भवन का उल्लेख है। किंतु विडंबना यह है कि ग्राम पंचायत के पास इस बात का कोई रिकॉर्ड नहीं है कि भवन के लिए वास्तव में कितनी जमीन आवंटित की गई थी। इसी तकनीकी खामी का फायदा उठाकर आस-पास के भू-माफियाओं ने पंचायत भवन को चारों ओर से घेर लिया है।

5000 वर्गफुट जमीन पर अवैध कब्जा, 2.50 करोड़ का नुकसान स्थानीय अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में करीब 5000 वर्गफुट भूमि अवैध कब्जे की चपेट में है। इस क्षेत्र में भूमि का बाजार मूल्य लगभग 5000 रुपये प्रति वर्गफुट है। इस लिहाज से देखा जाए तो करीब 2.50 करोड़ रुपये की सरकारी संपत्ति पर निजी लोगों ने अपना आधिपत्य जमा लिया है।

न्यायालय में कमजोर पड़ रहा पंचायत का पक्ष सूत्रों के अनुसार, पूर्व में एक-दो बार अवैध कब्जों के विरुद्ध तहसील न्यायालय में प्रकरण भी चले। लेकिन हर बार पंचायत प्रशासन को मुंह की खानी पड़ी, क्योंकि उनके पास भूमि की सीमाओं और आवंटन से जुड़ा कोई वैधानिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। साक्ष्यों के अभाव में अतिक्रमणकारियों के हौसले और बुलंद हो गए हैं। जनपद पंचायत मुंगावली में बहादुरपुर के सदस्य आदित्य त्रिवेदी का कहना था कि जब तक पंचायत के पास स्पष्ट सीमांकन और आवंटन पत्र नहीं होगा, तब तक इस बेशकीमती जमीन को बचाना नामुमकिन है। सीधे तौर पर सार्वजनिक संपत्ति की चोरी है।

भू स्वामित्व में भी दर्ज नहीं अतिक्रमण कारियों के नाम

करीब एक वर्ष पहले राजस्व विभाग द्वारा आबादी की जमीनों पर मालिकाना हक देने के लिए ड्रोन से सर्वे किया था। इस सर्वे के फाइनल होने के बाद सामने आया है कि ग्राम पंचायत से लगे हुए जो मकान दुकान हैं, वह शासकीय भूमि में हैं, क्योंकि उन्हें इस सर्वे में भू स्वामित्व नहीं दिया। अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस मामले में संज्ञान लेकर रिकॉर्ड दुरुस्त कराता है, या फिर बहादुरपुर पंचायत भवन महज एक छोटे से ढांचे में सिमट कर रह जाएगा। इस संबंध में जब जनपद पंचायत मुंगावली के सीईओ आलोक इटोरिया से बात करनी चाही तो वह वीडियो कॉन्फ्रेस बैठक में व्यस्त थे।

कथा में गोवर्धन पूजा और 56 भोग प्रसादी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पिपरई

नगर मे कथा बाचक सुरेशचंद्र शास्त्री ने श्रीमद्भागवत में श्री गोवर्धन पूजा का प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण की लीला, इंद्र के अभिमान के दमन और प्रकृति-पूजा के महत्व से अवगत कराया। जहाँ श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों की इंद्र की भयंकर वर्षा से रक्षा के लिए अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया था, जिससे इंद्र का घमंड चूर-चूर हो गया था। यह प्रसंग कृतज्ञता व ईश्वर पर निर्भरता का प्रतीक बन गया, जिसे आज भी अन्नकूट उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

कथा व्यास ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पूजा करके हमारी गायों को इंद्र के प्रकोप से बचाया और गायों की रक्षा का

महाराज ने उपदेश दिया कि गाय हमारी पूज्यनीय है इसलिए हमें गौ माता की पूजा करनी चाहिए। भगवान को लगाए जाने वाले भोग की बड़ी महिमा है। इनके लिए 56 प्रकार के व्यंजन परोसे जाते हैं, जिसे छप्पन भोग कहा जाता है। आठवे दिन जब भगवान ने देखा कि अब इंद्र की वर्षा बंद हो गई है, सभी व्रजवासियो को गोवर्धन पर्वत से बाहर निकल जाने को कहा तब दिन में आठ प्रहर भोजन करने वाले व्रज के नंदलाल कन्हैया का लगातार सात दिन तक भूखा रहना उनके व्रज वासियों और मैया यशोदा के लिए बड़ा कष्ट प्रद हुआ। भगवान के प्रति अपनी अन्न्य श्रद्धा भक्ति दिखाते हुए सभी व्रजवासियो सहित यशोदा जी ने 7 दिन और अष्ट पहर के हिसाब से श्रीमद्भागवत के अनुसार, गोपिकाओं ने एक माह तक यमुना में भोर में ही न केवल स्नान किया, अपितु कात्यायनी मां की अर्चना भी इस मनोकामना से की कि उन्हें नंदकुमार ही पति रूप में प्राप्त हों। श्रीकृष्ण ने उनकी मनोकामना पूर्ति की सहमति दे दी। व्रत समाप्ति और मनोकामना पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ही उद्यापन स्वरूप गोपिकाओं ने छप्पन भोग का आयोजन किया। ऐसा भी कहा जाता है कि गौलोक में भगवान श्रीकृष्ण राधिका जी के साथ एक दिव्य कमल पर विराजते हैं। इस धार्मिक आयोजन की मुख्य आयोजक रेखा मौसी हैं, जिनके विशेष प्रयासों से कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है। वहीं प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान आचार्य अरुण कृष्ण शास्त्री के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। भक्तजनों का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार होता है तथा आपसी प्रेम, भाईचारा और संस्कारों को बल मिलता है।

अंजली शर्मा ज्योतिष शिरोमणि सम्मान से सम्मानित हुईं

पिपरई। नगर के वार्ड क्रमांक 09 केशोपुर की बहू एवं प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या अंजली शर्मा को ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु "जीवन वैभव अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मान समारोह" में "ज्योतिष शिरोमणि सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह भव्य आयोजन भोपाल में संस्था के 40 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

सम्मान समारोह में देशभर से आए ज्योतिष, आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अंजली शर्मा को समाज सेवा, ज्योतिषीय ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कानपुर के वरिष्ठ ज्योतिष आचार्य के.ए. दुबे पद्मेश, पूर्व कैबिनेट मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश ऋषि शुक्ला तथा हेमचंद्र

पांडे की उपस्थिति में प्रदान किया गया। आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि शर्मा ने ज्योतिष को केवल भविष्यवाणी तक सीमित न रखकर उसे समाज मार्गदर्शन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टि से जोड़ा है। उनके परामर्श से अनेक लोगों को जीवन की नई दिशा और समाधान प्राप्त हुआ है।

इंदौर की घटना के बाद प्रशासन अलर्ट, नपा अध्यक्ष ने खुद पानी पीकर परखी शुद्धता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों की खबर ने पूरे मध्यप्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के बाद पेयजल की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अशोकनगर नगर पालिका अध्यक्ष एक्शन मोड में नजर आए। शहर वासियों को शुद्ध पेयजल का भरोसा दिलाने के लिए उन्होंने न केवल फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया, बल्कि स्वयं वहां का पानी पीकर शुद्धता का प्रमाण भी दिया।

निरीक्षण के दौरान मानकों की हुई जांच

अशोकनगर नगर पालिका अध्यक्ष अचानक फिल्टर प्लांट पहुंचे, जिससे वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी को शुद्ध करने की पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद इंजीनियरों की टीम को सख्त निर्देश दिए कि क्लोरीनेशन और फिल्ट्रेशन के सभी मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए।

विपक्ष के आरोपों पर प्रतीकात्मक प्रहार

पिछले कुछ दिनों से विपक्षी दल शहर की पेयजल व्यवस्था पर सवाल उठा रहे थे। इन आरोपों का करारा जवाब देते हुए नपा अध्यक्ष ने फिल्टर प्लांट से सीधे गिलास में पानी भरा और सबके सामने उसे पिया। इस कदम के जरिए उन्होंने जनता को यह संदेश दिया कि शहर में सप्लाई होने वाला पानी पूरी तरह स्वच्छ और सुरक्षित है।

स्वास्थ्य से समझौता नहीं

मीडिया से चर्चा करते हुए नपा अध्यक्ष ने कहा कि इंदौर की घटना दुःखद है और हम उससे सबक ले रहे हैं। अशोकनगर के नागरिकों का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमने आज तकनीकी स्तर पर पानी की जांच करवाई है। जनता निश्चिंत रहे, पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी 24 घंटे जारी रहेगी।

खास बातें

- औचक निरीक्षण फिल्टर प्लांट की व्यवस्थाओं का लिया जायजा।
- तकनीकी जांच इंजीनियरों के साथ मानकों की समीक्षा की।
- भरोसे की पहल खुद पानी पीकर जनता के मन से डर दूर किया।
- कड़ा संदेश लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई होगी।

गुरु तेगबहादुर की शहादत की 350वीं सालाना याद में 3 दिवसीय गुरुमत समागम के आयोजन की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

शुक्रवार को गुरुद्वारा ईशर प्रकाश वरियाम सर पवारगढ़ में तीन दिवसीय महान गुरमत समागम पूरे हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मौजूदा मुखी संत बाबा सतनाम सिंघजी की सरपरस्ती में शुरू हुआ। यह समागम श्री गुरु तेग़ बहादुर की पावन शहीदी की 350वी सालाना याद को समर्पित है, जिसमें देश-विदेश से हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आज पहले दिन इस पावन स्थान पर सिख पंथ के कई प्रमुख जत्थों ने हाज़िरी भरी।

सचखंडवासी ब्रह्मज्ञानी संत बाबा गुरदीप सिंघ जी ने इस इलाके में दिन रात अथक मेहनत करके जो सत्संग समागम और अमृत संचार की लहर शुरू की थी उसे आज उनके द्वारा वरोसाये हुए। संस्था के मौजूदा मुखी संत बाबा सतनाम सिंघ जी उसी शिद्दत और उत्साह से आगे बढ़ा रहे हैं। संत बाबा सतनाम सिंघजी ने अपने रूहानी प्रवचनों में बताया कि असल में धर्म क्या है, आप जी ने गुरबानी का जिक्र करते हुए कहा कि हर एक को चाहिए कि गुरू वाला बनकर निर्मल कर्म करे, यही वास्तविक धर्म है। जब से सृष्टि बनी है आज तक गुरू के बिना किसी की भी कल्याण या मुक्ति नहीं हुई सो गुरू दीक्षा अत्यंत जरूरी है। सिख धर्म में गुरू दीक्षा अमृत संचार द्वारा दी जाती है, जो कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हुजूरी में पाँच प्यारे ही करवा सकते हैं।

आप जी ने अपने पावन प्रवचनों में बताया कि नौवें गुरुदेव का नाम सबसे पहले श्री गुरु नानक जी ने ही रख दिया था। श्री गुरु नानक जी ने अलमस्त के चेले को जब असम भेजा कि वहाँ रह कर सेवा सिमरन करो तो उसने दर्शनों की इच्छा ज़ाहिर की। गुरु जी बोले कि हम नौवें स्वरूप में वहाँ आकर तुम्हें दर्शन देंगे।उसके पूछने

पर कि मुझे कैसे पता चलेगा,गुरु जी बोले, तब हमारा नाम श्री गुरु तेगबहादुर जी होगा। श्री गुरु हर गोबिंद जी ने भी आप जी का नाम तेगबहादुर ही रखा था न कि त्यागमल या कुछ और ।

श्री गुरु तेग़ बहादुर जी का प्रकाश श्री अमृतसर में पिता श्री गुरु हरगोविंद जी और माता नानकी जी के घर में हुआ। आप जी बचपन से ही कथनी और करनी में पूरे थे। एक बुजुर्ग माता के पोते को गुड न खाने को कहने से पहले उन्होंने स्वयं गुड खाना छोड़ा और फिर सारी ज़िंदगी गुड नहीं खाया, हाँ गुड का प्रसाद ज़रूर बाँटा। बाबाजी ने बताया कि आज हमारे देश में प्रचारकों की कमी नहीं है, बहुत हैं, पर वैसा आदर्श जीवन न होने के कारण वो असर नहीं है। गुरू घर में करनी प्रधान है श्री गुरू तेग बहादुर जी ने बचपन से ही त्याग की अद्वितीय मिसाल पेश की। स्वयं का भोजन ,स्वयं के कपड़े तक जरुरतमंदों को दे आया करते थे। गुरु पिता श्री गुरु हरगोबिंद जी ने वचन किया कि वक्त आने पर यह स्वयं का जीवन का भी परोपकार में त्याग कर देंगे। श्री तेग़ बहादुर जी का विवाह गुज़री जी से हुआ, हमें तो अब माता गुज़र कौर जी कहना चाहिए। विवाह के बाद गुरु पिता जी ने आप दोनों को बकाला साहिब भेजा। जहाँ आप जी ने और माता गुज़र कौर जी ने 26 साल 9 महीने 13 दिन तक बहुत भारी तपस्या की और दांपत्य जीवन में भी संयम और त्याग का एक अनूठा आदर्श स्थापित किया।

बाबाजी ने अपने प्रवचनों में कहा कि एक सिख गौ-गरीब की रक्षा में लगाता है, कन्या भूरण हत्या करने करवाने वाला कभी भी सिख नहीं हो सकता। एक सिख को चाहिए कि गुरु वाला बनकर सत्कर्म करता हुआ अपना जीवन व्यतीत करे। एक सच्चा सिख न किसी से डरता है न किसी को डराता है। वो सदा रब के निर्मल भय में रहकर गुरु के वचन कमाता हुआ गुरु साहिब की ख़ुशियाँ प्राप्त करता है। जब से गुरुद्वारा साहिब की स्थापना हुई है गुरु का लंगर अटूट वरत रहा है। हजारों श्रद्धालुओं ने लंगर छका और रूहानी प्रवचनों का लाभ लिया। 15 फ़रवरी रविवार को अमृत संचार होगा। सभी अमृत अभिलाषी जनों से निवेदन है कि अमृत छक कर जन्म सफल करें।